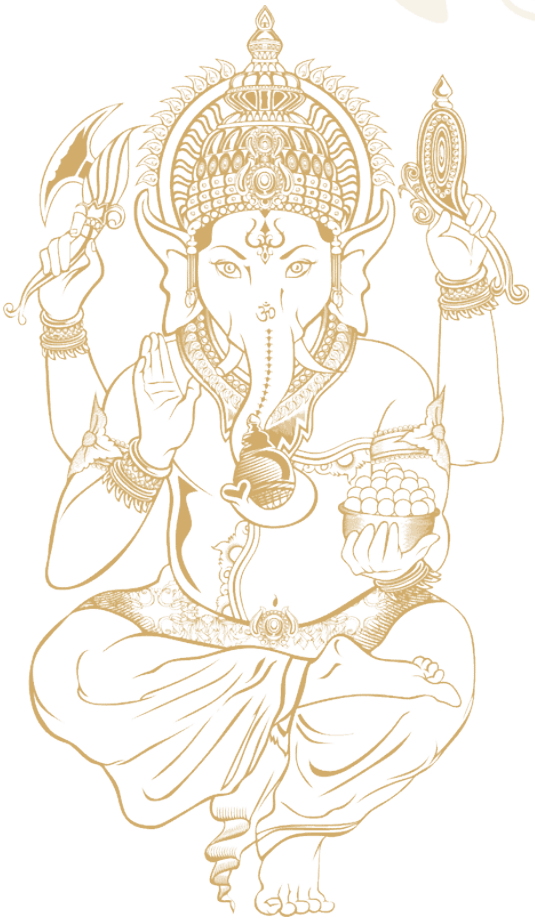

Mr.

13 Mar 2026

04:48 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121575904

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/03/2026**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**16:48:00 घंटे**
इष्ट	25:35:56 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:26:52 घंटे
वेलान्तर	-00:09:30 घंटे
साम्पातिक काल	03:51:17 घंटे
सूर्योदय	06:33:37 घंटे
सूर्यास्त	18:28:07 घंटे
दिनमान	11:54:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	28:39:36 कुम्भ
लग्न के अंश	07:35:36 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	वरियान
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	फा-फारुख
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	07:35:36	312:46:28	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	---
सूर्य			कुंभ	28:39:36	00:59:52	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	21:26:43	12:10:40	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	14:20:36	00:47:15	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	17:02:52	00:44:55	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मिथु	20:52:17	00:00:27	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	14:30:11	01:14:29	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	09:00:55	00:07:25	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु			कुंभ	14:40:40	00:01:09	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:40:40	00:01:09	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:50:18	00:01:53	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:16:43	00:02:15	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:37:23	00:01:24	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	05:46:49	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

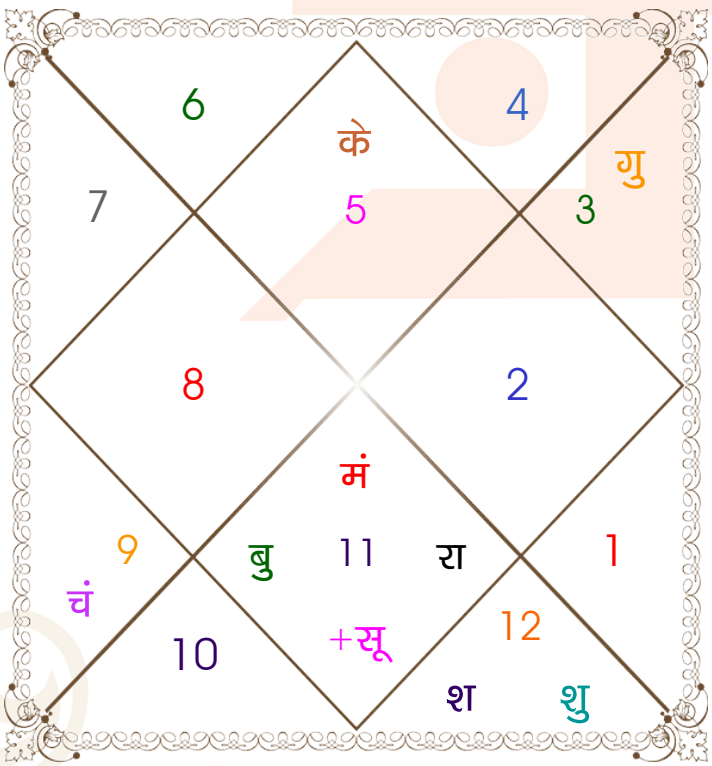

चन्द्र कुंडली

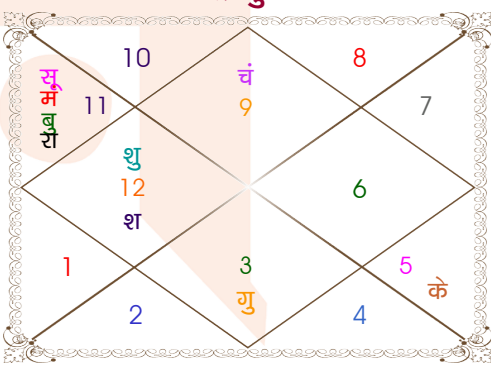

नवमांश कुंडली

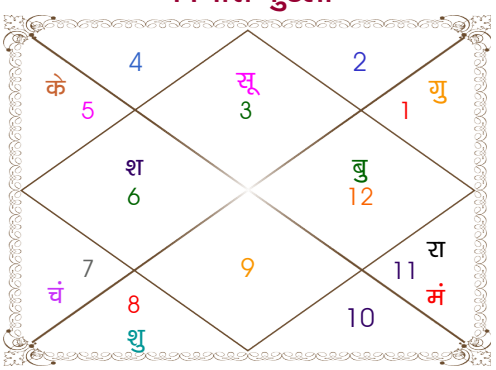

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 7 वर्ष 9 मास 29 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
13/03/2026		11/01/2034		11/01/2040		11/01/2050		11/01/2057	
11/01/2034		11/01/2040		11/01/2050		11/01/2057		11/01/2075	
	00/00/0000	सूर्य	30/04/2034	चंद्र	11/11/2040	मंगल	09/06/2050	राहु	24/09/2059
	00/00/0000	चंद्र	30/10/2034	मंगल	12/06/2041	राहु	28/06/2051	गुरु	16/02/2062
	00/00/0000	मंगल	07/03/2035	राहु	12/12/2042	गुरु	02/06/2052	शनि	23/12/2064
	00/00/0000	राहु	30/01/2036	गुरु	12/04/2044	शनि	12/07/2053	बुध	13/07/2067
	13/03/2026	गुरु	17/11/2036	शनि	11/11/2045	बुध	09/07/2054	केतु	30/07/2068
गुरु	11/11/2026	शनि	30/10/2037	बुध	12/04/2047	केतु	06/12/2054	शुक्र	31/07/2071
शनि	11/01/2030	बुध	05/09/2038	केतु	11/11/2047	शुक्र	05/02/2056	सूर्य	24/06/2072
बुध	11/11/2032	केतु	11/01/2039	शुक्र	12/07/2049	सूर्य	12/06/2056	चंद्र	24/12/2073
केतु	11/01/2034	शुक्र	11/01/2040	सूर्य	11/01/2050	चंद्र	11/01/2057	मंगल	11/01/2075

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
11/01/2075		11/01/2091		12/01/2110		12/01/2127		12/01/2134	
11/01/2091		12/01/2110		12/01/2127		12/01/2134		00/00/0000	
गुरु	28/02/2077	शनि	14/01/2094	बुध	10/06/2112	केतु	10/06/2127	शुक्र	13/05/2137
शनि	12/09/2079	बुध	23/09/2096	केतु	07/06/2113	शुक्र	09/08/2128	सूर्य	14/05/2138
बुध	18/12/2081	केतु	02/11/2097	शुक्र	07/04/2116	सूर्य	15/12/2128	चंद्र	12/01/2140
केतु	23/11/2082	शुक्र	02/01/2101	सूर्य	11/02/2117	चंद्र	16/07/2129	मंगल	13/03/2141
शुक्र	24/07/2085	सूर्य	15/12/2101	चंद्र	13/07/2118	मंगल	12/12/2129	राहु	13/03/2144
सूर्य	13/05/2086	चंद्र	17/07/2103	मंगल	11/07/2119	राहु	31/12/2130	गुरु	14/03/2146
चंद्र	12/09/2087	मंगल	25/08/2104	राहु	27/01/2122	गुरु	07/12/2131		00/00/0000
मंगल	18/08/2088	राहु	02/07/2107	गुरु	04/05/2124	शनि	15/01/2133		00/00/0000
राहु	11/01/2091	गुरु	12/01/2110	शनि	12/01/2127	बुध	12/01/2134		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 7 वर्ष 9 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्या संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली पुरुषों में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी पुरुष हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपकी अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होगें।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगे। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करते।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगे परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगे। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगे।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित व्यक्ति हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करते हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाले हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहते हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभव है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपने मित्रों के मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगे। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझे जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहते हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।